केस स्टडी-22/2024

जारी तिथि : 11.10.2024

SPAD

घटनाक्रम:- NWR रेल्वे के जयपुर डिवीजन में दिनांक 19.09.24 को लोको क्र. 60446/WAG-12/NGP, ट्रेन क्र. MB/CMLK लोड: 46/2024, BPC: 100%, रेवाड़ी जंक्शन स्टेशन के होम सिग्नल (S-1) पर खड़ा होना था क्योंकि सिग्नल ऑन स्थिति में था, परंतु लोको पायलट/सहायक लोको पायलट के कथनानुसार हल्की सी झपकी लगने (माइक्रो स्लीप) के कारण गाड़ी होम सिग्नल (S-1) तथा राऊटिंग होम सिग्नल (S-3) को ऑन स्थिति में पार करके लगभग 1800 मिटर बाद गाड़ी खड़ी हुई। लोको पायलट/सहायक लोको पायलट ने जब होम सिग्नल (S-1)को लाल स्थिति में देखा तब आपातकालीन ब्रेक/RS वाल्व लगाया/खोला,उस समय पर गाड़ी की गति 80 Kmph थी। (समय: 04.48 बजे)

कारण:-

- लोको पायलट/ सहायक लोको पायलट के कथानुसार रेवाड़ी जंक्शन का डिस्टेंट सिग्नल के पास हल्की सी झपकी (माइक्रो स्लीप) का लगना।
- कर्मीदल ने डिसटेंट सिग्नल एक पीला मिलने पर भी गाड़ी की गति को कंट्रोल न करना।
- कर्मीदल द्वारा अपने लाइन का होम सिग्नल के संकेत लाल है, ये देखने में विफल रहना।

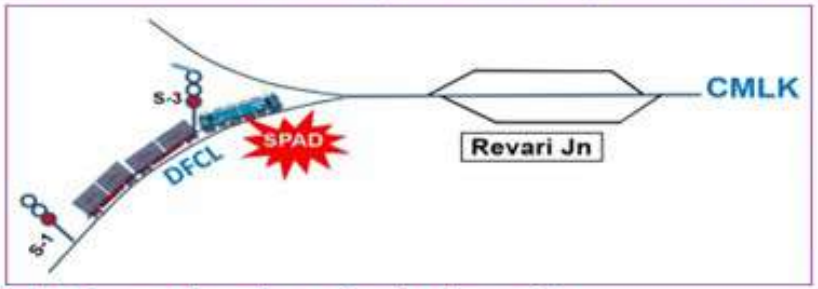

संभावित स्थिति एवं सबक :-

- ✓ गाड़ी कार्य करने से पहले पूर्ण विश्राम लें तथा गाड़ी कार्य के दौरान हमेशा सतर्क रहें।
- ✓ लोको पायलट/ सहायक लोको पायलट स्टेशन/लाइन/सिग्नल नंबर के साथ हाथ के इशारे से सिग्नल के संकेत को ज़ोर से पुकारें।
- ✓ एक पीला सिग्नल मिलने के बाद, ALP ने LP को बार बार याद दिलाना चाहिए कि आगे सिग्नल लाल है।
- ✓ सिग्नल के संकेतों का अनुमान/पूर्वानुमान न लगाएं।
- ✓ एक पीला सिग्नल मिलने पर अगला सिग्नल लाल ही होगा, यह मानकर गाड़ी को कंट्रोल करें।
- ✓ सिग्नल के संकेतो का कड़ाई से पालन करें व ट्रेन की गति हमेशा सिग्नल के अनुसार नियंत्रण में रखें।
- ✓ ALP को LP की गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए व किसी भी खतरे की स्थिति को भांपते हुए तुरंत RS वाल्व खोल देना चाहिए।

(निखिल सिंह)
वरि.मं.वि.इंजि.(परि.),नागपुर

नोट: केस स्टडी केवल कर्मीदल को काउन्सलिंग देने के उद्देश्य से तैयार की गई है, इसे काउन्सलिंग के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए मान्य नहीं होगा।

सभी मुख्य लोको निरीक्षक/मुख्य लोको नियंत्रक उपरोक्त निर्देशों को सभी लोको रनिंग कर्मचारियों को अवगत कराएं एवं कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें।